an>

Title: Need to cancel the proposed Jitapur Nuclear Power Project.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आप जानती हैं कि हाल ही में नेपाल में जो भूकम्प हुआ, उसमें साढ़े सात हजार से भी ज्यादा लोग मर गए। ऐसे भूकम्प पहले महाराष्ट्र में भी हुए हैं, गुजरात में भी हुए हैं। मैं इस शून्य काल में आपके सामने यह लाना चाहता हूं कि हाल ही में माननीय प्रधान मंत्री जी ने फ्रांस में अरेवा कम्पनी के साथ एक करार किया है। ऐसी स्थिति में हमारे महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग-रत्नागिरी जिले में जैतापुर में अणुऊर्जा प्रकल्प लाने की कोशिश हो रही है। उसके लिए प्रयास भी शुरू हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि इसके बारे में जियॉलोजिकल विभाग ने कहा कि यहां भूभूंश है। पिछले बीस सालों में यहां 93 भूकम्प हुए। इसके बाद ओशियॉनिक विभाग ने कहा कि अणु ऊर्जा निर्माण का जो संयंत्र है, उसमें पानी का उपयोग होने वाला है और वह पानी जब समुद्र में फेंका जाएगा, तो इससे समुद्र के पानी का तापमान बढ़ेगा। उससे वहां के मत्स्य पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। अणु ऊर्जा संयंत्र की वज़ह से हमने देखा कि फुकुशिमा में पूरा शहर खाली किया गया। आज वहां जो चार लाख लीटर पानी बचा है, वह भी वहां अणु का उत्सर्जन कर रहा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि जैतापुर के प्रकल्प के लिए आगे बढ़ने से पहले सरकार इन सारी रिपोर्टों की जांच करे और उसके बाद विचार कर के जैतापुर प्रकल्प को रद्द करे। यह मेरी प्रार्थना है।